

डिजिटल लिटरेसी बाल ई-पोस्टर



शेखर यादव (स.अ.)
कम्पोजिट विद्यालय रामसारी,
पतारा, कानपुर नगर

उद्देश्य :- वर्तमान समय में डिजिटल लिटरेसी की बढ़ती मांग और अपेक्षाओं की दृष्टिगत परिषदीय विद्यालयों में भी डिजिटल साक्षरता को बढ़ावा दिया जा रहा है, किन्तु प्राथमिक स्तर पर डिजिटल शिक्षा आधारित पाठ्यक्रम एवं संसाधन के अभाव से ग्रामीण परिवेश से आने वाले बच्चे डिजिटल साक्षर नहीं बन पा रहे हैं जिससे तकनीकी शिक्षा के क्षेत्र में पिछड़े हुए हैं। इसके दृष्टिगत शिक्षक द्वारा आई.सी.टी. के माध्यम से डिजिटल साक्षरता कार्यक्रम के अंतर्गत ग्रामीण परिवेशीय उदाहरणों को जोड़कर बच्चों के लिए सरल और रोचक डिजिटल लिटरेसी बाल ई-पोस्टर, अभ्यास कार्यपत्रक सहित का निर्माण कर प्रचार-प्रसार किया गया। परिणामस्वरूप न सिर्फ प्राथमिक स्तर के बच्चों बल्कि अभिभावकों एवं शिक्षकों में भी डिजिटल संसाधनों के महत्व को समझने एवं डिजिटल शिक्षा में उनकी रुचि, आत्मविश्वास एवं आई0सी0टी0 के प्रयोग हेतु उत्साह में वृद्धि हुई।

क्रियान्वयन:- यह कार्यक्रम डिजिटल साक्षरता को रोचक और सरल बनाने के लिए स्थानीय उदाहरणों और व्यावहारिक गतिविधियों पर आधारित है। सर्वप्रथम “डिजिटल लिटरेसी बाल ई-पोस्टर” में शामिल डिजिटल पाठ्यक्रम से विद्यार्थियों को अध्ययन कराया जाता है फिर हर अध्याय के बाद ई-अभ्यास कार्यपत्रक के माध्यम से विद्यार्थियों की समझ का मूल्यांकन किया जाता है। अगले अंक को पढ़ाने से पहले, पिछले अंक की पुनरावृत्ति भी डिजिटल

ई-पोस्टर द्वारा ही कराई जाती है ताकि ज्ञान स्थायी हो सके। प्रत्येक सप्ताह पोस्टर के एक अंक को प्रकाशित किया जाता है जिससे सप्ताह में किसी भी कार्यदिवस पर विद्यार्थियों के साथ साझा किया जा सके। इस कार्यक्रम की पहुँच बढ़ाने एवं सफल क्रियान्वयन के लिए आई0सी0टी0 की पाठशाला प्लेटफॉर्म के माध्यम से प्रदेश के अन्य शिक्षकों को भी साप्ताहिक डिजिटल लिटरेसी बाल ई-पोस्टर प्रेषित किया जाता है। शिक्षकों द्वारा ई-पोस्टर का उपयोग कर विद्यार्थियों को डिजिटल शिक्षा दी जाती है और वे अपने अनुभव फोटो एवं वीडियो के रूप में साझा करते हैं।

कम्प्यूटर का परिचय
अंक 1

यदि किसी गणनाओं को सरलता से कम समय में हल करने के लिए सर्वप्रथम डिजिटल साधन **सर चार्ल्स बैबेज** ने स्वचालित कैल्कुलेटर **'डिफरेंस इंजन'** बनाया और आधुनिक कम्प्यूटर की परिकल्पना प्रस्तुत की।

कम्प्यूटर शब्द की उत्पत्ति **'कम्प्यूट'** शब्द से हुयी है जिसका अर्थ है, **'गणना'**। कम्प्यूटर को हिन्दी में **'गणक'** कहते हैं।

"कम्प्यूटर एक इलेक्ट्रॉनिक उपकरण (यंत्र) है जो उपयोगकर्ता से विदेशी के रूप में इनपुट प्राप्त करता है और इनपुट की प्रोसेसिंग करके प्राप्त प्रोद्योग को आउटपुट के रूप में प्रदर्शित करता है।"

इनपुट → **प्रोसेसिंग** → **आउटपुट**

सोचो कि आप अपने दोस्त को एक चिट्ठी भेजना चाहते हो। सबसे पहले आप कागज पर लिखते हो जो आप कहना चाहते हो — यह **'इनपुट'** है। फिर आप उस चिट्ठी को एक लिफाफे में डालते हो, पता लिखते हो, और उसे डाकघर में भेजते हो — यह **'प्रोसेसिंग'** है, यानी कि चिट्ठी भेजने की प्रक्रिया। अगिरी में, आपका दोस्त चिट्ठी को पढ़ता है और आपके दोस्त को समझता है — यह **'आउटपुट'** है। इसी तरह, कम्प्यूटर भी 'इनपुट' लेता है, 'प्रोसेस' करता है, और फिर 'आउटपुट' देता है।

© IC TSP Pathshala © IC TSP Pathshala © IC TSP Pathshala © IC TSP Pathshala
An Initiative By DR. SHEKHAR YADAV (Kamrup Nagpur) Mob: 99143 46377

अभ्यास कार्यपत्रक
(कम्प्यूटर का परिचय)

प्रश्न 1 : रिक स्थायी की पूर्ति लिए गए शब्दों की सहायता से कीजिए।
(कम्प्यूटर, सर चार्ल्स बैबेज, गणक, गणना, इलेक्ट्रॉनिक यंत्रण)

(क). _____ को कम्प्यूटर का जनक कहते हैं।
(ख). कम्प्यूटर को हिन्दी में _____ कहते हैं।
(ग). कम्प्यूटर शब्द की उत्पत्ति _____ शब्द से हुयी, जिसका अर्थ है _____।
(घ). कम्प्यूटर एक _____ है।

प्रश्न 2 : नीचे दिए उदाहरण से 'इनपुट', 'प्रोसेसिंग' और 'आउटपुट' लिखिए -
जब बिट-डे मील में रोटी बनती है तो सबसे पहले आटा लेते है, यह _____ है। फिर उसमें घानी डालते हैं, गूंधते हैं, इसे _____ कहते हैं। अंत में, जब रोटी पककर तैयार हो जाती है और खाने के लिए परोस दी जाती है, तो इसे _____ कहते हैं।

प्रश्न 3 : कम्प्यूटर की प्रक्रिया के तीन मुख्य चरणों को खाली कोष्ठ में लिखिए -
_____ → _____ → _____

उत्तरमाला

1. (क), सर चार्ल्स बैबेज, (ख), गणक (ग), कम्प्यूट, गणना (घ), इलेक्ट्रॉनिक यंत्रण
2. इनपुट, प्रोसेसिंग, आउटपुट 3. इनपुट, प्रोसेसिंग, आउटपुट

© IC TSP Pathshala © IC TSP Pathshala © IC TSP Pathshala © IC TSP Pathshala
An Initiative By DR. SHEKHAR YADAV (Kamrup Nagpur) Mob: 99143 46377

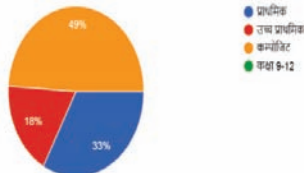
प्रभाव:- शिक्षक की इस पहल ने न केवल बच्चों, बल्कि पूरे समुदाय को आज के डिजिटल युग में आत्मनिर्भर बनने की दिशा में प्रेरित किया। यह प्रयास अन्य शिक्षकों और विद्यालयों के लिए भी एक आदर्श मॉडल प्रस्तुत करता है, जिससे वे डिजिटल शिक्षा के महत्व को समझकर इसे अधिक प्रभावी ढंग से लागू कर सकते हैं। इससे शिक्षकों को भी आई0सी0टी0 का प्रयोग करने हेतु प्रेरणा मिलती है। इस कार्यक्रम से छात्र-छात्राओं में कम्प्यूटर विषय को जानने और पढ़ने की रुचि जागृत हो रही है और वे कक्षा की सभी गतिविधियों में उत्साह के साथ कर प्रतिभाग करने लगे हैं। 25 से अधिक जनपदों के शिक्षकों ने इसे अपनाया तथा विद्यार्थियों एवं शिक्षकों में तकनीकी ज्ञान में वृद्धि देखने को मिली।



40 जनपदों के 100 शिक्षकों से कराये गये सर्वे के आधार पर प्रस्तुत आंकड़े –

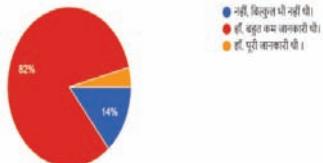
विद्यालय का प्रकार

100 responses



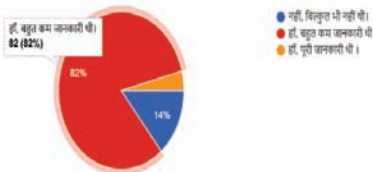
क्या 'डिजिटल लिटरेसी बाल ई-पोस्टर' से पढ़ाने से पूर्व बच्चों को डिजिटल शिक्षा की जानकारी थी ?

100 responses



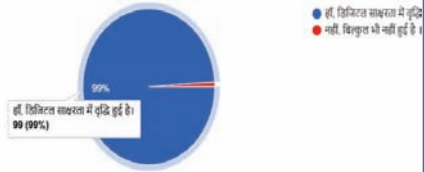
क्या 'डिजिटल लिटरेसी बाल ई-पोस्टर' से पढ़ाने से पूर्व बच्चों को डिजिटल शिक्षा की जानकारी थी ?

100 responses



डिजिटल लिटरेसी बाल ई-पोस्टर' से आपके विद्यालय में आने वाले ग्रामीण परिवेश के बच्चों जितत साक्षरता में वृद्धि हुई है?

responses



क्या 'डिजिटल लिटरेसी बाल ई-पोस्टर' आपके विद्यालय में बच्चों की उपस्थिति, नामांकन एवं संप्रति में सहायक सिद्ध हुआ है ?

100 responses



क्या 'डिजिटल लिटरेसी बाल ई-पोस्टर' पूरे प्रदेश के विद्यालय में बच्चों हेतु प्रयोग होना चाहिए अपनी राय दें।

100 responses

